ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor: Dorothy S. Thomas

Vol. XXVII | YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, MARCH 2022 | No.4

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें परमेश्वर की स्तुति हो

भजन ६७:१-६

१ यहोवा राजा हुआ है, पृथ्वी मगन हो; और
द्वीप जो बहुतेरे हैं, वह भी आनन्द करें।
२ बादल और अन्धकार उसके चारों ओर
हैं; उसके सिंहासन का मूल धर्म और न्याय
हैं।
३ उसके आगे आगे आग चलती हुई उसके
विरोधियों को चारों ओर भस्म करती है।
४ उसकी बिजलियों से जगत प्रकाशित हुआ,
पृथ्वी देखकर थरथरा गई है।
५ पहाड़ यहोवा के सामने, मोम के समान
पिघल गए, अर्थात् सारी पृथ्वी के परमेश्वर
के सामने।
६ आकाश ने उसके धर्म की साक्षी दी; और
देश देश के सब लोगों ने उसकी महिमा
देखी है।
७ जितने खुदी हुई मूर्तियों की उपासना करते
और मूरतों पर फूलते हैं, वे लज्जित हों;
हे सब देवताओ, तुम उसी को दण्डवत्
करो।
८ सिय्योन सुनकर आनन्दित हुई, और
यहूदा की बेटियाँ मगन हुईं; हे यहोवा, यह
तेरे नियमों के कारण हुआ।
९ क्योंकि हे यहोवा, तू सारी पृथ्वी के
ऊपर परमप्रधान है; तू सारे देवताओं से
अधिक महान् ठहरा है।

दाखलता, अंजीर, और जैतून!

The Vine, the Fig and the Olive!

भाई एम. पौलराज

पौधे, वृक्ष इस्राइली लोगों के जीवनों में वैसे ही जुड़े हैं जैसे तमिलनाडु के लोगों के जीवनों में चावल, नारियल और केले के पेड़ हैं। इस्राएल पहाड़ियों और तराइयों का देश है, जो स्वर्ग की वर्षा से अपनी प्यास बुझाता है। परंतु मिस्र देश में ऐसा नहीं है जहां पर इस्राएली गुलामों के रूप में ४३० वर्षों तक रहे। मिस्र में इस्राएलियों ने उनके बीज बोए और उसे पानी भी सींचा। उस देश को नील नदी से पानी मिलता था! (व्यवस्थाविवरण ११:१०-११)।

उपर्युक्त ३ पौधे/पेड़ इस्राएल देश का मुख्य आधार हैं। इसका सबूत हबक्कूक की किताब में पाया जाता है जहां भविष्यवक्ता कहता है, "क्योंकि चाहे अंजीर के वृक्षों में फूल न लगें, और न दाखलताओं में फल लगें, जलपाई के वृक्ष से केवल धोखा पाया जाए... तौभी मैं यहोवा के कारण आनन्दित और मगन रहूँगा, और अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के द्वारा अति प्रसन्न रहूँगा" (हबक्कूक ३:१७,१८)। उसकी घोषणा यह थी कि यदि देश के जीवन और अर्थव्यवस्था का सारा आधारविफल हो जाए, जिसमें दाखलता, अंजीर और जैतून में फल न लगे, तभी वह प्रभु में आनंद बनाएगा। ये पेड़ और पौधे इस्राएल के जीवन का पोषण करते हैं!

यीशु मसीह ने अपनी सेवकाई के दौरान कई बार अपने उपदेशों में इन पेड़-पौधों का उल्लेख किया। यीशु मसीह ने कहा, "मैं दाखलता हूं : तुम डालियां हो। जो मुझ में बना रहता है और मैं उसमें, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते" (यूहन्ना १५:५)। इस्राएली विवाह के घरों में दाखरस एक महत्वपूर्ण व्यंजन होता था जैसा कि हम काना के विवाह में देखते हैं, जहां यीशु, उसके चेलों और यीशु की माता को न्योता दिया गया था (यूहन्ना २:१२)। मत्ती २४:३२ में, हम देखते हैं कि यीशु उद्धृत करता है कि जहां अंजीर के वृक्ष को कोमल पत्तियां आई और वह गर्मी के आगमन का चिन्ह था, वह यह दिखाता है कि ग्रीष्म काल निकट है। जब उन्होंने कबूतर को दूसरी बार भेजा तो वह जैतून की कोमल पत्ती अपने मुंह में रख कर ले आया जो यह दर्शाता था कि पानी पृथ्वी पर से घट रहा है! (उत्पत्ति ८:११)। रात का भोजन लेने के बाद यीशु और उसके चेलों ने गीत गाया और जैतून पहाड़ पर चले गए (मरकुस १४:२६)। इस तरह, दाखलता अंजीर और जैतून इस्राएली लोगों के जीवनों से अलग नहीं किए जा सकते हैं।

पृष्ठ ३ में क्रमशः...

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

from your dearly beloved brother...

"तो तू यहोवा के कारण सुखी होगा, और मैं तुझे देश के ऊँचे स्थानों पर चलने दूँगा, मैं तेरे मूलपुरुष याकूब के भाग की उपज में से तुझे खिलाऊँगा, क्योंकि यहोवा ही के मुख से यह वचन निकला है।" (यशायाह 58:14)

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

CHIEF EDITOR
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.

MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager

EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Bro. M. Paulraj, M.A., B.Ed.
Sis. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858

E.mail ID
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.com

YOUTUBE CHANNEL
Echo of His call

मसीह में प्रिय मित्र,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के अतुलनीय नाम में प्रेमपूर्ण अभिवादन।

मुझे आशा है कि आप और आपके प्रियजन परमेश्वर के अनुग्रह से अच्छे हैं। मैं और मेरे सहकर्मी आपको और आपकी ज़रूरतों को प्रतिदिन परमेश्वर के सिंहासन के निकट लाते हैं। हम जानते हैं कि आपको परमेश्वर की विशेष सुरक्षा की ज़रूरत है क्योंकि समस्त संसार पर भारी विपत्ति आती है। सभी देशों के लोग बड़े भय में जी रहे हैं।

हर रोज़ हमें कई भाई और बहनों की ओर से प्रार्थना बिनतियां प्राप्त होती हैं। पोस्टकार्ड, फोन, पत्र, इमेल द्वारा हमारे कार्यालय में प्राप्त किसी भी प्रार्थना बिनती को हम नज़रअंदाज़ नहीं करते और उनके लिए प्रार्थना करते हैं। परमेश्वर सचमुच आप जैसे भाई और बहनों के जीवनों में कार्य कर रहा है।

समस्त संसार में फैले रोग संक्रमण के कारण व्याप डर और परिणामों के कारण, बड़ी संख्या में परमेश्वर के सेवकों और विश्वासियों ने अपनी आत्मिक गति कम कर दी है। क्या आप उनमें से एक हैं?

यह अच्छा नहीं है। आपको उन अद्भुत बातों के बारे में सोचना है जो पिछले दिनों में प्रार्थना के द्वारा आपके जीवनों में हुईं। आपने अपनी प्रार्थनाहीनता, अपनी कलीसिया और पासवान के प्रति उपेक्षा, अपने दान और दसवांशों में अविश्वसनीयता के कारण आपने रक्षाकर्ता यीशु मसीह को दुखी किया होगा या धोखा दिया होगा। अब प्रभु परमेश्वर आपकी आत्मा को उत्साहित करता है कि आप अपनी परिस्थिति से उठें और इस संदेश के द्वारा आगे बढ़ें।

कृपया धन्यवादी हृदय से अपनी आत्मिक गतिविधियों को फिर आरंभ करें क्योंकि परमेश्वर ने इस संसार के धोखे से आपको बचाया है। वह अवश्य ही आपकी सारी ज़रूरतों को पूरा करेगा। वह आने वाले दिनों में भी फलवन्त जीवन जीने के लिए आपका मार्गदर्शन करेगा। हम अपनी प्रार्थनाओं द्वारा आपकी सहायता कर रहे हैं।

संसार में होने वाली सारी बातें हमें इस बात का स्मरण दिलाती हैं कि इस संसार का न्याय करने के लिए हमारा प्रभु यीशु मसीह जल्द ही आने वाला है। हम में से प्रत्येक को न्याय के लिए परमेश्वर के सामने खड़े रहना है। विश्वासयोग्य जीवन जीने के लिए अपने जीवन को प्रभु यीशु मसीह के हाथों में सौंपें। भला परमेश्वर आपको आवश्यक अनुग्रह प्रदान करे।

कृपया प्रार्थना करते रहें और एको ऑफ हिज़ कॉल की सहायता करते रहें। सचमुच, आपकी प्रार्थनाओं के लिए और सहायता के लिए यह उचित समय है। हमारे सहकर्मी भाई एम. पौलराज और पास्टर एम. मुथू के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें जल्द चंगाई प्राप्त हो।

इस समय हमारी कलीसियाएं, स्कूल, रेसिडेन्शल बाइबल कॉलेज अभी शुरू होने बाकी हैं। कृपया वायरस के संक्रमण के दूर होने और समस्त संसार के देशों के लोगों की बहाली के लिए प्रार्थना करें।

यदि आपको समय मिलता है, तो आप **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** देखकर हमारे द्वारा ताज़ा समाचार पा सकते हैं। हम आपसे बहुत प्रेम करते हैं और आपकी भलाई में हमें रूचि है।

परमेश्वर आपको आशीष दे।

मसीह यीशु में आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज और एलेक्स सैमसन सैम

(+91) 98412 71858 / 98410 71858

E.mail : samselvaraj333@gmail.com

पृष्ठ 1 से आगे...

दाखलता!

यहोवा भला और सीधा है;
इसलिये वह पापियों को अपना मार्ग दिखलाएगा।
वह नम्र लोगों को न्याय की शिक्षा देगा,
हां, वह नम्र लोगों को अपना मार्ग दिखलाएगा।
जो यहोवा की वाचा और चितौनियों को मानते हैं,
उनके लिये उसके सब मार्ग करुणा और सच्चाई हैं।
हे यहोवा, अपने नाम के निमित्त
मेरे अधर्म को जो बहुत हैं क्षमा कर।
वह कौन है जो यहोवा का भय मानता है?
यहोवा उसको उसी मार्ग पर जिस से वह प्रसन्न होता है चलाएगा।
वह कुशल से टिका रहेगा, और उसका वंश पृथ्वी का अधिकारी होगा।
यहोवा के भेद को वही जानते हैं जो उससे डरते हैं,
और वह अपनी वाचा उन पर प्रगट करेगा।
मेरी आंखें सदैव यहोवा पर टकटकी लगाए रहती हैं,
क्योंकि वही मेरे पांवों को जाल में से छुड़ाएगा। (भजन ८०:८-१५)।

यहां पर प्रभु एक दाखलता को मिस्र से निकाल लाया था, उसने राष्ट्रों को निकाल भगाया और उन्हें कनान में बसाया। प्रभु की अपेक्षा थी कि वह अधिक फल लाए। परंतु हाय, उसने खट्टे फल दिए! उसने जड़ पकड़ ली और देश को भर दिया। उसका प्रभाव राष्ट्रों तक पहुंच गया और वह राज करने लगा। इसलिए, प्रभु ने बाड़ों को तोड़ डाला और लोग अपनी इच्छा से फल तोड़ने लगे और भालू तथा जंगली पशुओं ने उसे उखाड़ दिया क्योंकि प्रभु ने बाड़े तो तोड़ दिया था। भविष्यद्वक्ता आसाफ ने प्रभु से बिनती की कि वह टूटे हुए बाड़े को देखे और प्रभु से यह बिनती भी की कि वह उसे भेंट दे।

प्रभु की दाख की बारी इस्राएल का घराना है (यशायाह ५:७)। प्रभु अपने चुने हुए लोगों को मिस्र देश से बाहर निकाल ले आया, जहां पर वे मूसा के नेतृत्व में गुलामी में थे। उसने कनानियों को निकाल भगाया और अपने लोगों को बसाया। वे कनान देश में बहुगुणित हुए और दाऊद के नेतृत्व के अधीन एक मज़बूत राष्ट्र बन गए। उसने अपने दुश्मनों को जीत लिया और उन्हें कर देने के लिए विवश किया। उसका नाम चारों ओर फैल गया और वह राष्ट्रों के मध्य अगुवा बन गया। परंतु राष्ट्र का विनाश शुरू हो गया। राजा सुलैमान के समय ही जब वह अपनी विदेशी पत्नियों के कारण पराई देवताओं के पीछे पड़ गया। राष्ट्र उसके पुत्र, रहूबियाम के शासन के दौरान इस्राएल और यहूदा के रूप में बंट गया।

इस्राएली लोगों ने सामरिया को अपना मुख्यालय बना लिया और यहूदा ने यरूशलेम को अपना मुख्यालय बनाया। इस्राएल के पहले राजा यारोबाम ने सोने के दो बछिए बनाए और एक को दान में स्थापित किया और दूसरे को बिर्शेबा में। उसने उन्हें यह बताया कि यह उनके देवता हैं जो उन्हें मिस्र से बाहर ले आए, इस प्रकार उसने सेनाओं के यहोवा का इन्कार कर दिया जिसने उन्हें फिरौन के हाथों से छुड़ाया था। भले ही मूसा और यहोशू ने उनकी अगुवाई की थी जिन्हें परमेश्वर ने चुना था, परंतु वास्तव में प्रभु ने उनकी अगुवाई की थी, राजाओं को निकाल भगाया था और उन्हें कनान में वाचा के देश में बसाया था। समय के दौरान उन्होंने सर्वशक्तिमान परमेश्वर का इन्कार किया और अन्यजाति देवताओं को अपनाया। उन्होंने लगभग हर पेड़ के नीचे और ऊंचे स्थानों में मूर्तियों को स्थापित किया और अपने देवताओं के रूप में उनकी उपासना की। इस विश्वासघात में, इस्राएल यहूदा से आगे था! प्रभु ने अपने क्रोध में आकर उन्हें पराए राजाओं के हाथ बेच दिया! ई.पू. ७२२ में अश्शूरी इस्राएल को ले गए और ई.पू. ५८६ में बेबिलोन के

Statement about ownership and other particulars about the Newspaper Echo of His Call (Hindi) - Form IV
(See Rule 8)

1. Place of Publication	:	**New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah Sahib 2nd Street, Chepauk, Chennai - 600 005.**
2. Periodicity	:	**Monthly**
3. Printer, Editor, Owner & Publisher	:	**S. Sam Selva Raj** (Same Address)
4. Nationality	:	**Indian**

I **S. Sam Selva Raj**, hereby that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

March 2022 **S. Sam Selva Raj.**

लोग यहूदा को बंधुवा बनाकर ले गए। ये बातें इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने सर्वशक्तिमान परमेश्वर का इन्कार किया और पराए देवताओं के पीछे चल पड़े। भविष्यद्वक्ता आसाफ ने उस राष्ट्र को देखकर विलाप किया जो कूड़े का ढेर बन गया था क्योंकि उनके विश्वासघात के कारण परमेश्वर ने अपनी सुरक्षा हटा दी थी।

जिस दाख की बारी से यह अपेक्षा की गई थी कि वह अच्छा फल देगी, उसने खट्टे फल दिया!, और उसका विनाश हो गया।

आज भी लोग यीशु के लहू के द्वारा परमेश्वर के राज्य में आते हैं, कुछ समय के लिए चमक उठते हैं और परमेश्वर की भेड़शाला से बाहर जाकर शैतान की संगति में आनंद उठाते हैं। उन्हें शायद ही इस बात का एहसास होता है कि शैतान उन्हें विनाश की ओर ले जाता है क्योंकि वह चोर है जो चोरी करने, घात करने और नाश करने के लिए आता है (यूहन्ना १०:१०)। हमें जागते रहना है और शैतान की युक्तियों के खिलाफ अपनी रक्षा करना है कि कहीं हमें भी अपने पुरखाओं के समान विनाश का सामना न करना पड़े।

दाखलता एक प्रेम करने योग्य, पसंद करने योग्य फसल है जो फल देती है। यह ऋतु के अनुसार फलने वाला पौधा है। किसान ज़मीन तैयार करने, उसकी खुदाई करने और उसमें खाद डालने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। जब पौधा बढ़ता है तब उसे मंडप पर फैलाया जाता है! जो डालियां फल नहीं देती उन्हें छांटना पड़ता है और केवल फल देने वाली डालियों को ही बढ़ने का मौका दिया जाता है। किसान डालियों को भलभांति पहचानता है। यीशु ने कहा, "हे परमेश्वर तेरे तम्बू में कौन रहेगा? तेरे पवित्र पर्वत पर कौन बसने पाएगा? वह जो खराई से चलता और धर्म के काम करता है, और हृदय से सच बोलता है" (यूहन्ना १५:१,२)।

दाखलता के समान ही, पान का पत्ता भारत के विभिन्न भागों में बढ़ता है, खासकर तमिलनाडू में। वह भी दाखलता के समान बढ़ता है। मेरे एक रिश्तेदार के पास पान का बगीचा था। इस बगीचे के लिए ज़मीन को विशेष से चुना और तैयार किया जाता है। चार से पांच की फीट की गहराई तक ऊपर की मिट्टी हटाई जाती है और नीचे की मिट्टी की सही खुदाई की जाती है और दूसरे स्थानों से एक खास प्रकार की मिट्टी लाकर बालू के साथ मिलाई जाती है और उसे दो से तीन फीट तक भर दिया जाता है। इस बात का ध्यान रखा जाता है कि दूसरे पेड़ों की जड़ें उस बगीचे में प्रवेश न कर पाएं। सीधे खांचे खोद जाते हैं और उन्हें बालू के साथ मिली हुई अच्छी मिट्टी से भर दिया जाता है। उसके बाद छोटे पौधों को (पान की डाली का हिस्सा) एक विशिष्ट अंतर पर रोपा जाता है। उसे उचित रूप से पानी की सिंचाई दी जाती है और ध्यान रखा जाता है कि पानी रूकने न पाए। इस पौधे में अंकुर लगते हैं और वह बढ़ने लगता है। जो लता बढ़ती जाती है उसे लकड़ियों से सहारा दिया जाता है। यह लकड़ी सामान्य तौर पर हलके पेड़ों की डालियां होती हे जैसे कपास का पेड़, सहजन का पेड़ और जंगली सहजन। कपास के पौधे जब बढ़ जाते हैं तब वे फल देते हैं और पूरी रीति से बढ़ जाने पर फलों के अंदर का कपास पूरी रीति से सूख जाता है। इस कपास से तकिया और बिछौने बनते हैं। सहजन के पेड़ में पत्तियां और फूल लगते हैं। पत्तियों का इस्तेमाल सब्जी के रूप में किया जाता है और कोमल फलों को सूखने से पहले तोड़ दिया जाता है। कोमल फल (सहजन की फल्ली) से होटल और घरों में स्वादिष्ट व्यंजन बनाए जाते हैं। जंगली सहजन का इस्तेमाल केवल खाद के रूप में किया जाता है और उसकी मज़बूत डाली का इस्तेमाल नाव आदि बनाए जाने के लिए किया जाता है। कुछ लोग केले भी लगाते हैं जो आमदनी का अतिरिक्त साधन है।

पान के छोटे पत्तों को नकदी फसल समझा जाता है। उनका इस्तेमाल औषधी के रूप में किया जाता है। लोग सुपारी और चूने के साथ भी उसे खाते हैं। सामान्य तौर पर वृद्ध लोगों को अदतन इसका इस्तेमाल करते हैं। कुछ लोगों को तो इसका व्यसन भी होता है!

अत्याधिक शुद्धता का पालन किया जाता है। हर समय के सभी लोगों को, खासकर महिलाओं को पान के बगीचे में आने की अनुमति नहीं होती।

दाख के बगीचे में अंजीर का पेड़!

एक बार यीशु ने दाख के बगीचे में

पृष्ठ ८ में क्रमशः...

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
RESIDENTIAL / EVENING COLLEGE

Velachery, Chepauk & Santhoshapuram, Chennai.

माध्यमः हिन्दी/तमिल

सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA

सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 53 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान

सर्टिफिकेट इन थियोलॉजी – 1 साल

डिप्लोमा ऑफ थियोलॉजी – 2 साल

योग्यता 10 वी या अधिक

जल्दी करें!

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.

Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858

E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

★ ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध हैं ★

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES SINCE 1969

महान आदेश के भागी

✽ भार उठना (गलातियों ६:२), ✽ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ✽ चमकना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ मार्च २०२२ से १८ अप्रैल २०२२ तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

मार्च १६ परमेश्वर की स्तुति करें कि उसने हमारे प्रिय भाई सहायक सम्पादक एम. पौल राज और नहेम्याह बाइबल कॉलेज के अध्यक्ष पास्टर एम. मुथ्थू के स्वास्थ्य का ध्यान रखा।

मार्च २० : हमारे **बाइबल कोर** और **ईश्वरविज्ञान पाठ्यक्रम** के लिए नए विद्यार्थी देने के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें।

मार्च २१ : १९६९ से मासिक पत्रिका की सेवकाई के प्रति हमारे समर्पण पर परमेश्वर ने बहुतायत की आशीष दी इसलिए उसका धन्यवाद करें।

मार्च २२ : परमेश्वर की स्तुति करें कि उसने हमारे मासिक सेवकाई के द्वारा अनपहुंचे समूहों को सुसमाचार सुनाने हेतु हमें आशीष दी।

मार्च २३ : पिछले माह के दौरान हमारी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मार्च २४ : परमेश्वर की स्तुति करें कि हमारे वरिष्ठ पासबान ने विभिन्न सेवाओं के द्वारा सुसमाचार फैलाने हेतु समर्पण किया।

मार्च २५ : हमारे **एको ऑफ हिज़ कॉल** के सहायक सम्पादकों और उनके परिवार के लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो।

मार्च २६ : हमारे नहेम्याह बाइबल कॉलेज को आशीष देने के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मार्च २७ : हमारे **सेंट पॉल मैट्रिक्युलेशन स्कूल** के प्राधानाचार्य, प्रिन्सिपल और अन्य कर्मचारियों के लिए हमारे परमेश्वर की स्तुति हो।

मार्च २८ : हमारे सुसमाचार छापखाने और कुशल कार्यकर्ताओं के साथ उसके लगातार कार्य संचालन के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मार्च २९ : राज्य समन्वयकों तथा उनके परिवारों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मार्च ३० : कोविड-१९ के दौरान परमेश्वर ने हमारे **एको ऑफ हिज़ कॉल** सेवकाइयों की सारी गतिविधियों को आशीषित किया।

मार्च ३१ : हमारे प्रार्थना सहभागियों, शुल्क सहभागियों, विश्वास सहभागियों, आजीवन सहभागियों और महान आदेश सहभागियों तथा उनके परिवारों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

अप्रैल १ : परमेश्वर की स्तुति करें कि उसने हमारी कलीसिया में नए विश्वासियों को अभिषेक के साथ आशीषित किया।

अप्रैल २ : हमारे राष्ट्र की रक्षा करने के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

अप्रैल ३ : : हमारे वरिष्ठ पासबान और उनके परिवार के सदस्यों के प्रति उसकी दया और सुरक्षा के लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो।

प्रार्थना विषय

अप्रैल ४ : प्रार्थना करें कि हमारे प्रिय भाई सहायक सम्पादक एम. पौल राज और नहेम्याह बाइबल कॉलेज के अध्यक्ष पास्टर एम. मुथ्थू पूरी रीति से चंगे हों।

अप्रैल ५ : सभी राष्ट्रों की एकता और शांति के लिए प्रार्थना करें।

अप्रैल ६ : प्रार्थना करें कि परमेश्वर हमारे सीनियर पासबान को बहुतायत की आशीष दे ताकि वह अपना जीवन चरित्र बिना किसी बाधा के पूरा कर सके।

अप्रैल ७ : हमारी संस्था, सारे कर्मचारी और उनके परिवारों के लाभ के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

अप्रैल ८ : हमारी ऑनलाईन हिन्दी ईश्वरविज्ञान कक्षाओं के लिए प्रार्थना करें।

अप्रैल ९ : हमारे **नहेम्याह बाइबल कॉलेज** के लिए तथा उसके विस्तार के लिए प्रार्थना करें।

अप्रैल १० : परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह कोविड-१९, ओमिक्रॉन संक्रमण को संसार से पूरी तरह हटा दे।

अप्रैल ११ : प्रार्थना करें कि ड्रग्स लेने वालों और बुरा काम करने वालों को पूर्ण छुटकारा मिले।

अप्रैल १२ : परमेश्वर हमारी सारी आर्थिक और भौतिक ज़रूरतों को पूरा करे।

अप्रैल १३ : परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह हमारे देश को एकता और विकास में दृढ़ करे।

अप्रैल १४ : उत्तर भारत के मिशनरी और उनकी उदारता के लिए प्रार्थना करें।

अप्रैल १५ : परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह अनपहुंचे स्थानों में हमें सुसमाचार सुनाने हेतु सक्षम बनाए।

मार्च १६ : सभी धर्मों के मध्य एकता के लिए प्रार्थना करें।

अप्रैल १७ : हमारी सेवकाइयों का हर तरह से विस्तार हो इसलिए प्रार्थना करें।

अप्रैल १८ : कर्मचारियों के वेतन, छपाई कागज़, पोस्टेज, औरह मारी सेवकाइयों का परिवहन जैसी आर्थिक ज़रूरतों के लिए प्रार्थना करें।

पृष्ठ 4 से आगे...

अंजीर के पेड़ की उपस्थिति के बारे में बताया। वह उसमें फल ढूंढ़ रहा था, लेकिन उसमें ढेर सारी पत्तियां ही पाई गई। दाख की बारी का मालिक तीन साल तक अंजीर के पेड़ को देखता रहा, लेकिन उसमें फल नहीं आया। मालिक ने बगीचे के रखवाले से कहा कि उसे काट डाले क्योंकि वह जगह रोक रहा था। लेकिन माली ने मालिक से बिनती की कि उसे एक और साल रहने दे और उस समय के दौरान वह उसके चारों ओर खुदाई करेगा और उसमें खाद डालेगा।

यीशु फल देने के महत्व के बारे में बोल रहा था। उसने एक दृष्टांत बताकर, दाख के बगीचे में अंजीर के पेड़ का दृष्टांत बताकर इस बात पर महत्व दिया (लूका १३:६-९)। अंजीर के पेड़ के लिए दाख के बगीचे में बोया जाना बहुत बड़ी बात थी। लेकिन वहां पर अपने अस्तित्व को जताने के लिए उसे फल लाना था।

दाख की बारी इस्राएल लोगों को दिखाती है। अंजीर का पेड़ अन्यजाति हैं जो इस्राएलियों की कीमत पर पैसा कमाते थे। परमेश्वर अपेक्षा कर रहा था कि अन्यजाति परिणाम दिखाएं/फल लाएं। प्रभु का नियम था कि जो पेड़ अच्छा फल नहीं देता उस हर एक पेड़ को काटा जाए और आग में झोंक दिया जाए (मत्ती ३:१०)। इसलिए, अंजीर का वृक्ष/अन्यजातियों को अपने अस्तित्व के लिए अच्छा फल देना है।

माली, यीशु मसीह पिता से अंजीर के पेड़ के लिए एक और साल की बिनती करता है और उस दौरान, वह उस पर और ध्यान देगा, उसमें खाद डालेगा और अन्य तरह से उसकी देखभाल करेगा। यहां पर पेड़ की विशेष देखभाल पवित्र आत्मा के उण्डेले जाने को दर्शाती है जो मज़बूत होने और फल लाने में विश्वासियों की सहायता करता है। यीशु लोगों से कहता है कि वे उसमें बने रहें और फल लाएं! (यूहन्ना १५:५)

परमेश्वर पिता जो स्वर्ग में अपने सिंहासन पर विराजमान है वह सूरज के नीचे हर एक को देखता है और उसकी आंखें मनुष्य के पुत्रों को परखती हैं (भजन ११:४)। वह धर्मी न्यायाधीश है और वह लोगों का न्याय धर्म से और अपने सत्य से करेगा

वह पृथ्वी का न्याय करने को आनेवाला है,
वह धर्म से जगत का,
और सच्चाई से देश देश के लोगों का
न्याय करेगा (भजन ९६:१३)।

परमेश्वर के पास संसार को (अन्यजातियों को) अंधकार से बाहर निकालने की एक विशेष योजना है। उसने अपने एकलौते पुत्र यीशु मसीह को शैतान के समक्ष कीमत चुकाने और उन्हें शैतान के चंगुल से खींच निकालने के लिए भेजा। यीशु ने अपना लहू बहाकर हर एक की कीमत चुकाई। यदि कोई क्रूस की ओर देखता है और यह कबूल करता है कि यीशु मसीह उसके उद्धार के लिए क्रूस पर मर गया, जो वह उसके पाप क्षमा करता है और उन्हें अपने बेटे और बेटियां बनाता है (यूहन्ना १:१२; ३:१६)।

और प्रभु परमेश्वर के हाथ में विद्रोही पौलुस को उठाया कि वह अन्यजातियों को सुसमाचार प्रचार करे। हमारा प्रभु हर एक के उद्धार की चिंता करता है ताकि कोई भी नाश न हो। उसके अपने लोग भी इस्राएलियों ने मसीह के रूप में प्रभु यीशु मसीह का इन्कार किया और भटक गए। उन्होंने अपने हृदय को कठोर कर दिया, इस प्रकार अन्यजातियों के लिए उद्धार का मार्ग खोल दिया क्योंकि अंजीर के पेड़ को दाख की बारी में जगह मिल गई। प्रवेश पाने पर, उन्हें फल दिखाना है!

जैतून का वृक्ष!

जैतून इस्राएल देश में एक महत्वपूर्ण फसल है। जैतून की बारियां और दाख की बारियां मुख्य फसलें हैं जो इस्राएल के हर भाग में पैदा होती हैं। जैतून नगद फसल है क्योंकि उसके बीजों से तेल निकाला जाता है। जैतून का तेल सारे संसार में परिचित है।

हमने जैतून को नगदी फसल के रूप में देखा है। हम पवित्र बाइबल में एक घटना देखते हैं। इस्राएल का एक भविष्यद्वक्ता मर गया और अपने पीछे कर्ज़ छोड़ गया। उसके देनदाता आए और उसकी विधवा को सताने लगे कि वह कर्ज़ अदा करे या वह उसके दोनों बेटों को गुलामों के रूप में ले जाएगा। क्या करे यह न जानकर, वह विधवा भविष्यद्वक्ता एलिशा के पास गई और उसने अपनी कहानी बताई। भविष्यद्वक्ता ने उससे कहा, "मैं तेरे लिये क्या करूँ? मुझे बता कि तेरे घर में क्या है? बेचारी स्त्री ने कहा, कि उसके के घर में एक हाँड़ी तेल को छोड़ और कुछ नहीं है। उसने कहा, तू बाहर जाकर अपनी सब पड़ोसिनों से खाली बरतन माँग ले आ। उसने वैसा ही किया। भविष्यद्वक्ता ने कहा, कि वह अपने घर में जाकर, और द्वार बन्द करके उन सब बरतनों में तेल उण्डेल दे। उसने सारे बर्तन भर दिए, उसके बेटे ने कहा, और बरतन तो नहीं रहा। तब तेल रुक गया। तब भविष्यद्वक्ता ने कहा कि वह तेल बेचकर ऋण भर दे; और जो रह जाए, उससे अपना निर्वाह करना" (२ राजा ४:१-७)। जैतून का तेल उसके काम आया जिससे वह अपना कर्ज़ अदा कर सकी।

रोमियों ११:१७ में पौलुस बताता है कि अन्यजातियों का उद्धार इस्राएलियों की कीमत पर है, जिन्होंने उद्धारकर्ता का इन्कार किया।

"पर यदि कुछ डालियाँ तोड़ दी गईं, और तू जंगली जैतून होकर उनमें साटा गया, और जैतून की जड़ की चिकनाई का भागी हुआ है" (रोमियों ११:१७)।

पौलुस बताता है कि अन्यजातियों का उद्धार इस्राएलियों की कीमत पर है। इसके लिए, जैतून की कुछ डालियां तोड़ दी गई और उसके स्थान पर जंगली जैतून के पेड़ (अन्यजातियों को कलम किया गया)। प्रभु यीशु मसीह ने कहा, "क्योंकि उद्धार यहूदियों से है" (यूहन्ना ४:२२)। पौलुस ने कहा, "हे भाइयो, कहीं ऐसा न हो कि तुम अपने आप को बुद्धिमान समझ लो; इसलिये मैं नहीं चाहता कि तुम इस भेद से अनजान रहो कि जब तक अन्यजातियाँ पूरी रीति से प्रवेश न कर लें, तब तक इस्राएल का एक भाग ऐसा ही कठोर रहेगा" (रोमियों ११:२५)। इस्राएली लोगों के एक हिस्से ने अपने हृदय को कठोर किया था और जब तक अन्यजातियों की पूर्णता न हो, वे वैसे ही रहेंगे। इसलिए, अन्यजातियों के अवसर है

कि वे उद्धार को थाम लें और अपने आपको परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने योग्य बनाएं।

परमेश्वर ने अपने लोगों को संसार से बुलाया और उन्हें विशेष वरदान दिए जो कि दूसरों के लिए नहीं है। इसलिए, परमेश्वर द्वारा दी गई बुलाहट और वरदान अटल है (रोमियों ११:२६)। इस प्रकार सिय्योन से आएगा और अविश्वास को याकूब से दूर करेगा।

रैप्चर के बाद, त्यागे गए इस्राएलियों को परमेश्वर के राज्य का वारिस होने का विशेष अवसर मिलेगा। जब कलीसिया उठा ली गई, तब चार स्वर्गदूतों को देखा गया कि वे पृथ्वी की चार हवाओं को रोक रहे थे कि हवा पृथ्वी पर, समुद्र पर, या किसी पेड़ पर न बहे। दूसरे स्वर्गदूत के पास जीवित परमेश्वर की मुहर थी, जिसने ऊंची आवाज़ में चार स्वर्गदूतों को पुकारकर कहा, "जब तक हम अपने परमेश्वर के दासों के माथे पर मुहर न लगा दें, तब तक पृथ्वी और समुद्र और पेड़ों को हानि न पहुँचाना" (प्रकाशित ७:३)। जिन पर मुहर लगाई गई वे प्रत्येक गोत्र से १२,००० की दर से १,४४,००० थे। दान का गोत्र नदारद है और उसके स्थान में मनश्शे का गोत्र आया है और कुल मिलाकर १२ गोत्र। ये मुहरबंद लोग पहले साढ़े तीन वर्षों के क्लेश में उठा लिए जाएंगे जहां ख्रीष्ट विरोधी जगत पर शासन करेगा।

ये १,४४,००० व्यक्ति प्रभु यीशु के खास लोग हैं जो स्त्रियों के द्वारा अशुद्ध नहीं हुए, जिसका मतलब है, उन्होंने प्रकाशितवाक्य १७ की वेश्या की मूर्तिपूजा से अपने आपको दूषित नहीं किया। वे सिंहासन के सामने नया गीत गाते थे और १,४४,००० जो पृथ्वी से छुड़ाए गए हैं, उनके अलावा उस गीत को कोई नहीं सीख सकता था। वे स्त्रियों से अशुद्ध नहीं हुए और जहां कहीं मेम्ना जाता है वहां उसके पीछे जाते हैं। स्वर्ग उठा ली गई कलीसिया के रैप्चर के बाद वह लोगों का पहला समूह है।

१,४४,००० लोगों को रैप्चर के समय छोड़ दिया गया था क्योंकि उन्होंने शुद्धता और समर्पण के मानक को प्राप्त नहीं किया था। परंतु वे परमेश्वर के वचनों और नियमों में स्थिर थे और मूर्तिपूजा से अशुद्ध नहीं हुए थे। इसलिए परमेश्वर ने उन पर विशेष अनुग्रह किया।

यहूदा के उद्धार का अंतिम अवसर!

रैप्चर के समय छोड़ दिए गए बाकी यहूदा के लोगों का और १,४४,००० विशेष लोगों का परमेश्वर अब भी ध्यान रखता है। परमेश्वर का वचन कहता है, "क्योंकि परमेश्वर के वरदान और बुलाहट अटल हैं" (रोमियों ११:२६)।

भले ही उन्होंने मसीह का इन्कार किया, फिर भी परमेश्वर उनके साथ विश्वासयोग्य है।बाइबल कहती है :

""मैं दाऊद के घराने और यरूशलेम के निवासियों पर अपना अनुग्रह करनेवाली और प्रार्थना सिखानेवाली आत्मा उण्डेलूँगा, तब वे मुझे ताकेंगे अर्थात् जिसे उन्होंने बेधा है, और उसके लिये ऐसे रोएँगे जैसे एकलौते पुत्र के लिये रोते-पीटते हैं, और ऐसा भारी शोक करेंगे, जैसा पहिलौठे के लिये करते हैं" (जकर्याह १२:१०)।

हालांकि यहूदियों ने मसीह को त्याग दिया, फिर भी प्रभु ने हर्ष के सयाथ अनुग्रह और निवेदन का आत्मा यहूदा पर उण्डेला और वे अपने गलत कामों के लिए विलाप करेंगे। परंतु अंत के दिनों में दो तिहाई लोग मिटा दिए जाएंगे और मर जाएंगे (ऐसा ख्रीष्ट विरोधी के साढ़े तीन वर्षों के राज्य के दौरान होगा) और एक तिहाई आग से बचाया जाएगा, अर्थात कठोर परीक्षा के द्वारा (जकर्याह १३:८,९)।

लोग, यहूदी और गैर-यहूदी यदि रैप्चर में उठा लिए जाएं तो सौभाग्यशाली हैं।

ऍको ऑफ हिज़ कॉल पत्राचार पाठ्यक्रम केवल भारत में उम्मीदवार के लिए

1. बाइबलकोर

हम नए मसीहियों और गैर-मसीहियों के लिए बाइबल के बुनियादी सत्य पर पत्राचार पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं अंग्रेजी-57 पृष्ठ, हिन्दी-76 पृष्ठ, और तमिल-96 पृष्ठ। आपको एक पाठ्यक्रम पुस्तक मिलेगी जिसका शीर्षक है नया जीवन – आपके लिए! इस कोर्स के पूरा होने के बाद आपको ***आपके लिए नया जीवन*** शीर्षक युक्त पाठ्यक्रम की एक पुस्तक प्राप्त होगी।

2. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम

ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम नामक एडवान्स्ड डिस्टन्स एज्युकेशन पासबानों, सुसमाचार प्रचारकों और मसीही अगुवों के लिए भी उपलब्ध है जिन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बोझ है– अंग्रेज़ी 537 पृ. और तमिल 652 पृ. ! शुल्क रु. 1000/– लिया जाएगा, 149 अध्यायों की सात पुस्तकें दी जाएगी। सर्टिफिकेट इन मिनिस्ट्री दिया जाएगा। परमेश्वर आपको आशीष दे!

अधिक जानकारी के लिए आज ही सम्पर्क करें।

The Chairman, Nehemiah Bible College,
Echo of His Call, Post Box 2957
CHEPAUK, CHENNAI - 600 005.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E.mail : biblecor@yahoo.co.in

TAX EXEMPTION

Donations by any individual or organization from India to **Echo of His Call Educational Trust** are eligible for Income Tax exemption under Section 80G of the Income Tax Act. Official receipts will be issued for this purpose. Please make your Demand Drafts / Cheques / M.O. for such donations in favour of **Echo of His Call Educational Trust** and send to us.

Account Name	:	**ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST**
Account Number	:	**1023 2923 805**
Bank Name	:	**STATE BANK OF INDIA**
Branch	:	**TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005**
IFSC Code	:	**SBIN 0000249**
SWIFT Code	:	**SBI NIN BB 455**

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

मेरी परवरिश कैसे हुई

THE LORD WHO LOVES LITTLE CHILDREN!

मेरा जन्म ३ जून १९४९ को हुआ। मैं अपने परिवार का पहला बेटा था इसलिए मेरे माता-पिता, दादा-दादी और परिवार के अन्य सदस्य चाहते थे कि मैं मसीही पादरी बनूं। इसलिए उन्होंने प्रार्थना में और बाइबल के ज्ञान में मुझे बढ़ाया।

मुझे बच्चों के लिए चर्च में चलाए जाने वाले संडे स्कूल में भाग लेने के लिए भेजा जाता था। हमारा गिरजाघर चावल के खेत में था और गिरजाघर जाने के लिए अच्छा रास्ता नहीं था। इसलिए मेरे मामा मुझे रविवार के दिन और दूसरे दिनों में भी अपने कंधों पर बिठाकर गिरजा कर ले जाते। मेरी मां और मेरी मौसी हमेशा मेरे पास रहते थे।

मेरे बचपन के दिनों के दौरान संडेस्कूल के शिक्षक रेव्हरेंड एलियास, बेबी डेज़ी, बहन रत्नम, ज्ञान सेल्वम आंटी और ग्रेस आंटी ने प्रभु यीशु मसीह की ओर मेरी अगुवाई की। मैं एक औसत लड़का था और बीमार रहा करता था। इसलिए मेरे अध्यापक मुझ से बहुत प्रेम करते थे।

मेरी मां अपने संपूर्ण ह्रदय से विश्वास करती थी कि वह भविष्य के परमेश्वर के जन की परवरिश कर रही है। मेरी अतिरिक्त देखभाल को वह परमेश्वर की सेवा समझती थी और इस कारण वह इस बात का ध्यान रखती थी कि मैं गिरजाघर में सुबह, शाम और दोपहर को होने वाली आराधना में भाग लूं।

मेरी मां मुझे अपने पास बिठाती थी। मुझे गीत गाने के लिए और परमेश्वर के वचन को ध्यान से सुनने के लिए प्रोत्साहन देती थी। रेव्हरेंड आई. आर. एच. ज्ञानदासन उन दिनों नय्यूर मुख्य गिरजाघर के प्रधान पासवान थे। उन्होंने मेरा समर्पण किया और मेरा नाम सैम सेल्वा राज रखा। उन्होंने यह कह कर मुझे आशीष दी, कि यह बालक शमूएल के समान बड़ा होगा। यह धनवान व्यक्ति होगा और परमेश्वर के मुख्य अगुवों में से एक होगा।

उन दिनों क्रिसमस के दौरान मेरे माता-पिता और मैं बहुत खुश हुआ करते थे। बच्चे बाइबल वचन याद करते। उन्हें दोहराते और उन्हें हर साल इनाम मिला करता था। मुझे वह वचन याद है जो मैंने १९५२ में गिरजाघर में दोहराया था,

"तब एकाएक उस स्वर्गदूत के साथ स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते दिखाई दिया" (लूका २:१३)।

१९५६ में जब मैं ७ साल का था तब मैं परमेश्वर के वचन का प्रचार सुन रहा था जो हमारे पास्टर आदरणीय देवदास प्रचार कर रहे थे। उस समय पवित्र आत्मा ने अपने आप को मुझ पर सामर्थी रूप से प्रकट किया। मैं स्पष्ट रूप से परमेश्वर के संदेश को सुन सकता था कि परमेश्वर मुझ से प्रेम करता है। वह प्रभाव मुझ पर इतना गहरा होता गया कि मैं ज़ोर ज़ोर से रोने लगा। मैं स्पष्ट रूप से परमेश्वर की उपस्थिति को मेरे अंदर आते हुए महसूस कर सकता था। मेरी मां ध्यान से मुझे देख रही थी।

आराधना खत्म होने के बाद मैंने अपनी मां से पूछा, "मां, क्या पास्टर स्वर्ग जाकर यीशु को देखेंगे?" मां ने उत्तर दिया, "हां बेटा!" मैंने तुरंत कहा, "मैं भी स्वर्ग जाना चाहता हूं। मैं वहां यीशु को देखना चाहता हूं। क्या यह संभव है मां?" "इस दुनिया में रहते हुए, यदि तुम विश्वास करो और यीशु को अपने हृदय में ग्रहण करो, तो तुम्हारी इच्छा अवश्य ही पूरी होगी," मां ने मुझ से कहा।

इस तरह मेरी मां ने प्रभु यीशु मसीह को मेरे उद्धारकर्ता के रूप में अपने हृदय में ग्रहण करने में मेरी सहायता की। उस दिन के बाद से मैं मेरे अंदर हर दिन आत्मा को कार्य करते हुए महसूस कर सकता था और मैं हमेशा परमेश्वर की उपस्थिति को महसूस करता था।

मुझे कन्नाटूविलई की सरकारी प्राथमिक शाला में पहली कक्षा में दाखिल किया गया, मेरी पहली भाषा तमिल थी। मेरी दादी मुझे रोज स्कूल ले जाया करती थी और मुझे घर सुरक्षित ले आती थी। मेरे स्कूल जाने से पहले मेरी मां अपना दाहिना रोज़ हाथ मेरे सिर पर रखती और प्रार्थना करती थी : प्रिय परमेश्वर, मेरा बेटा आज कक्षा में जो भी सबक सीखता है, वह भविष्य में आपके राज्य के विस्तार के लिए सहायक हो।

स्कूल के अध्यापकों का भी विश्वास था कि मैं भविष्य में परमेश्वर का सेवक बनूंगा। इसलिए वे मुझसे प्रेम करते थे और उन्होंने मुझे उत्तम शिक्षा दी। लेकिन उस समय मैं एक नटखट लड़का था। मेरी पांचवीं कक्षा तक

Echo of His Call - YouTube

Kindly view and subscribe our **Echo of His Call YouTube Channel** when you get time. Thanks. – Editor

उस देहात में अंग्रेज़ी नहीं सिखाई जाती थी।

१९५७ में, मुझे हमारे सण्डे स्कूल की मुख्य शिक्षिका रत्ना के द्वारा बताया गया कि मेरा नाम बाइबल वचन के मौखिक पठन में शामिल नहीं किया गया है। उसने कहा, "यदि परमेश्वर की इच्छा रही, तो तुम्हें अगले साल मौका मिलेगा।"

मेरा दिल टूट गया और मैंने रोते हुए अपनी मां को सारी बात बताई। मेरी मां ने यह कहकर सुझाव दिया, "आने वाले गुरूवार, शुक्रवार और शनिवार शाम के भोजन में कटौती करो और परमेश्वर के सामने घुटने टेककर जो कुछ तुमने अभी मुझे बताया वह परमेश्वर को बताओ।" उसने मुझे दो गीत भी सिखाए :

१. जो बच्चा परमेश्वर से प्रेम करता है वह विपत्ति में नहीं डरता

जिस तरह पिंजरे में पक्षी सुरक्षित रहता है

उसी तरह यीशु अपनी सेवा में तुम्हारी रक्षा करेगा।

२. मेरे प्राण के मेरे प्रिय चरवाहे,

मेरे हृदय की खुशी!

मैं आपके करीब आता हूं

मैं बोझ के साथ आगे आता हूं।

कोरस

जब मैं प्रार्थना करता हूं तब बोलिए!

अपनी इच्छा मुझे दिखाइए,

उसके अनुसार काम करने के लिए

१. जो सच्चे मुक्तिदाता की आज्ञा मानते हैं

उनके प्राण के लिए विश्राम का स्थान मिलता है

वह स्थान मैं भी पाऊं

मेरे प्रेम, मेरी प्रार्थना सुन - बोल

२. पापियों के लिए तेरा प्यार

मेरे आचरण से मुझे प्रकट करने दे

कल्वरी के आत्मा से मुझे अभिषेक कर

ताकि मैं अपनी लड़ाइयां जीतूं। - बोल

३. मेरे सारे जीवनभर

मैं उस मार्ग में चलूं जिस पर तू चला

मैं स्वेच्छा से सब कुछ तुझे दूंगा

हे मुक्तिदाता, मुझे सामर्थ दीजिए।" - बोल

मैं उन तीन दिनों में इन गीतों को गाता रहा और आंसुओं के साथ यीशु से प्रार्थना करता रहा कि मुझे क्रिसमस के दिन मेरे चर्च में वचन दोहराने का मौका मिले।

पहली बार प्रभु ने मेरी प्रार्थना का उत्तर दिया। उस रविवार की सुबह जल्द ही जब हमारा परिवार गिरजाघर जा रहा था, तब हमारे पासबान पास्टर देवदास रास्ते में मुझसे मिले। उस समय अचानक उन्होंने मेरी ओर मुड़कर कहा, "इस क्रिसमस उन्होंने तुम्हें कौन सा वचन या गीत गाने के लिए दिया है?" मेरी मां ने कहा, "कुछ भी नहीं।"

मेरे पास्टर ने मुझसे कहा, "दूसरे बच्चे केवल एक पद दोहराएंगे, परंतु तुम्हें भजन २३ के सारे वचन दोहराना है।" मैंने भजन

२३ के सारे वचन याद कर लिए और आराधना में बिना किसी गलती के उन्हें दोहराया। इसलिए, उन्होंने मुझे पहले पुरस्कार के लिए चुन लिया और मुझे एक सुंदर साबुन का डिब्बा उपहार स्वरूप दिया। इस घटना ने मुझमें बड़ा आनंद उत्पन्न किया और यीशु के प्रति साहस दिया। प्रार्थना में मेरा विश्वास बढ़ गया। "मुझे पुकार" (यिर्मयाह ३३:३) मेरा मार्गदर्शक स्तम्भ बन गया। उस दिन से, प्रार्थना में मैं परमेश्वर के साथ रिश्ता स्थापित करने लगा।

....Contd. from page 7

रैप्चर के बाद ही यहूदियों को परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने का अवसर दिया जाएगा, और यह भी कई परीक्षाओं से निकलने के बाद! इसलिए आज ही का दिन उद्धार का दिन है और प्रभु यीशु मसीह को अपनाने का दिन है और उसकी अपनी संतान के रूप में रैप्चर के समय उठा लिए जाने के निश्चित अवसर को प्राप्त करने का दिन है।

दाखलता इस्राएली लोगों के जीवनों में महत्वपूर्ण होती है। यह श्रम घनिष्ठ उद्योग है। बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। दाख का रस व्यापक तौर विवाह के घरों में और अन्य घरेलू उपयोगों में इस्तेमाल होता है।

अंजीर का पेड़ ऊंचा बढ़ने वाला पेड़ होता है, जिसकी डालियां चारों ओर बढ़ती हैं। वह इस्राएल में बड़े पैमाने पर बढ़ता है। वह भारत में भी बढ़ता है। उसका इस्तेमाल प्रमुख भोजन के रूप किया जाता है और उसका औषधीय मूल्य है। वह अपनी ऋतुओं में फैलता है। एक दिन यीशु और उसके चेले बैतनिय्याह से बाहर गए। यीशु भूखा था। उसने फलों को खोजा, परंतु कुछ भी न मिला। यीशु ने अंजीर के वृक्ष को शाप दिया कि "दूसरे दिन जब वे बैतनिय्याह से निकले तो उसको भूख लगी। वह दूर से अंजीर का एक हरा पेड़ देखकर निकट गया कि क्या जाने उसमें कुछ पाए रू पर पत्तों को छोड़ कुछ न पाया; क्योंकि फल का समय न था। इस पर उसने उससे कहा, "अब से कोई तेरा फल कभी न खाए!" और उसके चेले सुन रहे थे" (मरकुस ११:१२-१४)।

दाखलता दाख की बाग है जो प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के यहूदियों के साथ कलम करने को दर्शाता है। क्योंकि उद्धार यहूदियों में से है, इसलिए परमेश्वर ने अपने भरपूर अनुग्रह से उसे अन्यजातियों तक पहुंचाया है। अन्यजातियों को इस अवसर का लाभ उठाकर फल देना है कि कहीं उन्हें आग में न झोका जाए।

जैतून नकदी फसल है। वह इस्राएल में व्यापक तौर पर बढ़ती है। वह उसके तेल, रोशनी, और अन्य औषधीय उपयोगों के लिए सुविख्यात है। उसे लगातार चेहरे पर लगाने से चमक आती है।

"और दाखमधु जिस से मनुष्य का मन आनन्दित होता है, और तेल जिस से

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/21-23 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

उसका मुख चमकता है, और अन्न जिससे वह सम्भल जाता है" (भजन १०४:१५)।

हम राष्ट्र के लिए दाखलता, अंजीर और जैतून के रूप में उपयोगी हों और उससे अधिक हमारे छुड़ाने वाले और उद्धारकर्ता और यीशु मसीह के लिए! हालेलुय्याह!

***

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India
(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/- आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :
ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.com

YOU CAN SEND YOUR DONATIONS BY ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/21-23
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th MARCH, 2022
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers**, New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**